नई दिल्ली > शनिवार, 26 दिसंबर 2020 > पौष 5 शक संवत 1942 मार्गशीर्ष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2077 YOUNG INDIA > YOUNG PAPER वर्ष 74, संख्या 308 > पेज 28* > नोएडा > मूल्य 3.50 या 9.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

NBT

नवभारत टाइम्स

भारत Vs ऑस्ट्रेलिया
दूसरा टेस्ट आज
सुबह 5 बजे से, मेलबर्न में
प्रसारण सोनी
नेटवर्क पर
▸ p13

नवभारत GOLD
लाए हैं
HAPPYTIMES
सुनो, खेलो, जीतो
नीचे पूछे गए दोनों सवालों के सही जवाब दें और हर दिन, हर हफ्ते जीतें शानदार इनाम। रोजाना 1500 विजेता जीतेंगे 100 TIMESPOINTS. 20 वीकली विजेताओं को मिलेगा 1000 रुपये का Amazon वाउचर।
दोनों सवालों के सही जवाब ढूंढने के लिए अभी लॉग इन करें www.navbharatgold.com पर।
प्रतियोगिता में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक हिस्सा ले सकते हैं।
* नियम व शर्तें लागू www.navbharatgold.com

लॉगइन कैसे करें?
■ मेन्यू पर जाएं
■ 'लॉगइन' पर क्लिक करें
■ ईमेल, फेसबुक या मोबाइल नंबर से एक्टिवेट करें

NBT में विज्ञापन देने के लिए 1800 120 5474 पर कॉल करें। अखबार की अपनी कॉपी प्राप्त करने के लिए कॉल करें 1800 1200 004 या जाएं subscribe.timesgroup.com पर

आज के लिए HAPPY TIMES 〉Q1 रहाणे ने पहली बार टेस्ट में कप्तानी कब की? सुनो 〉Q2 किस मैदान पर हो रहा है बॉक्सिंग डे टेस्ट? खेलो 〉 क्विज में हिस्सा लेने के लिए www.navbharatgold.com पर जाएं और Happy Times बैनर पर क्लिक करें। 〉 जीतो

पूरी तरह से चैलेंजिंग रहने वाला साल 2020 अपने ढ़लान पर है। रियल एस्टेट सेक्टर के संग-संग लोग भी जाते हुए साल से बेहतरी की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, तमाम चुनौतियों के बीच रियल एस्टेट सेक्टर ने उम्मीद से बेहतर करने का काम किया है और आइए डालते हैं एक नजरः

चुनौतियों संग बुलंदियों को छूने की जिद है सेक्टर में

Abhishek.singh2
@timesgroup.com

जब 2020 का आगाज हुआ और दुनिया इसका तहे दिल से स्वागत कर रही थी, इसके साथ ही साथ कोविड की बातें भी लोगों की जुंबा पर आने लगी थी ।ऐसे में कहा जा सकता है कि 2020 का शुरुआत देश और दुनिया के लिए उतना बेहतर नहीं रहा। शुरु में कोविड को समझना थोड़ा मुश्किल भरा रहा, लेकिन समय बीतने के साथ-साथ लोग सावधानियां बरतते चले गए और चीजें फिर से नॉर्मल होने लगी। हालांकि रियल एस्टेट को लेकर कोविड के बाद के 6 महीनों का आकलन करें तो कहा जा सकता है कि यह इस सेक्टर के लिए एक मुश्किल भरा सफर रहा, लेकिन बाद के 6 महीनों में त्योहारी सीजन और रियल एस्टेट डिवेलपर्स के पॉजिटव अप्रोच से बिजनेस को गति मिलने लगी और यह अब तलक जारी है,क्योंकि हम एक बार फिर से नए साल का आगाज करने जा रहे हैं।

प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट को लेकर लोगों का चुनाव अलग-अलग होता है। अब जो लोग फेस्टिव सीजन में इसका लुत्फ नहीं उठा सके हैं,वे नए साल को टारगेट करते हुए अपने सपने की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे ही नोएडा में एक प्रफेशनल दीपक बजाज कहते हैं कि इससे पहले वे गुरुग्राम में किसी दूसरे फर्म के लिए सेवाएं दे रहे थे। अब नई कंपनी में नोएडा में उनकी जॉब लगी है। ऐसे में हर रोज गुरुग्राम से नोएडा के बीच का सफर काफी हैक्टिक हो गया है। इसलिए उन्होंने नोएडा में घर लेने का मन बनाया है और नए साल के आगाज के साथ ही वे अपनी डील पक्की कर लेना चाहते हैं। वह कहते हैं कि घर के दूसरे सदस्य 2020 में इतनी बड़ी खरीदारी नहीं करना चाहते हैं। सभी नए साल पर इसे अंजाम देने की सलाह दे रहे हैं।

प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए है बेहतरीन समय

यह सच है कि प्रॉपर्टी खरीदने के लिए 2021 एक बेहतरीन समय हो सकता है। आपने कोविड के बीच में बाजार को काफी करीब से देखा है और यह तो जान ही गए होंगे कि इस समय के ब्याज दरों के मुताबिक आप के लिए प्रॉपर्टी में निवेश करना क्यों फायदेमंद हो सकता है। एक्सपेरॉन डिवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हेमंत टिक्कू कहते हैं कि सबसे बड़ी बात यह है कि डिवेलपर्स नए साल के अवसर पर भी आपको प्रॉपर्टी में बेहतरीन ऑफर्स के साथ आपके बीच में आने वाले हैं। रियल एस्टेट डिवेलपर्स भावी और मौजूदा खरीदारों को सभी प्रकार के आवासीय आवासों के साथ-साथ कमर्शल प्रॉपर्टी में ऑफर्स दे रहे हैं और आने वाले समय भी इसके बने रहने की संभावना है। डिवेलपर्स के साथ अनसोल्ड इन्वेंट्री सभी को भारी-भरकम छूट और अन्य लाभों की पेशकश करते हुए ऑफ-लोडेड होने के लिए तैयार हैं।

टाउनशिप प्रॉजेक्ट्स की रहेगी डिमांड

कई डिवेलपर्स को लगता है कि टाउनशिप की मांग बढ़ने से और पूरी तरह से एकीकृत या मिनी टाउनशिप योजनाएं अस्तित्व में आएंगी। ऐसे में संभावित खरीदार भी यहां मिलने वाले फायदे के कारण इस ओर आसानी से आकर्षित होंगे और वे यहां पर खरीदारी करना पसंद करेंगे।गौर ग्रुप के एमडी और अफोर्डेबल हाउसिंग कमेटी, क्रेडाई (नैशनल) के चेयरमैन मनोज गौड़ कहते हैं कि आज, शहरी आवास की बढ़ती मांग और महामारी के अचानक से शुरू होने के कारण टाउनशिप या ग्रुप-हाउसिंग प्रॉजेक्ट एक विकल्प के रूप में उभरा है। देश में शहरी विकास का ये भविष्य बन रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक 90 करोड़ से अधिक लोगों के भारतीय शहरों में रहने की उम्मीद है। ऐसे में शहरी आवास में कमी को पूरा करने के लिए समूह-आवास या हाईराइज अपार्टमेंट ही एकमात्र रास्ता है।

एनसीआर में बढ़ रही डिमांड

यह सच है कि मौजूदा हालात में लोग सेफ्टी पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और ये बातें निश्चित रूप से यूथ अपना घर लेने के बारे में सोच रहे हैं। आईटी सेक्टर में काम रकने वाले दिवाकर रस्तोगी कहते हैं कि हालांकि कोविड से पहले घर लेने के बारे में मैं नहीं सोच रहा था, लेकिन सच कहूं तो यह अब मेरी प्राथमिकताओं की लिस्ट में सबसे ऊपर है। मेरे जैसे सभी लोग अपने परिवार को स्वस्थ्य और सुरक्षित रखना चाहते हैं। इसलिए एक अपना घर होना जरूरी है।

गौर ग्रुप के एमडी और अफोर्डेबल हाउसिंग कमेटी, क्रेडाई (नैशनल) के चेयरमैन मनोज गौड़ कहते हैं कि आज, शहरी आवास की बढ़ती मांग और महामारी के अचानक से शुरू होने के कारण टाउनशिप या ग्रुप-हाउसिंग प्रॉजेक्ट एक विकल्प के रूप में उभरा है। देश में शहरी विकास का ये भविष्य बन रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक 90 करोड़ से अधिक लोगों के भारतीय शहरों में रहने की उम्मीद है। ऐसे में शहरी आवास में कमी को पूरा करने के लिए समूह-आवास या हाईराइज अपार्टमेंट ही एकमात्र रास्ता है।